

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 198] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 5, 1970/अग्रहायण 14, 1892

[No. 198] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 5, 1970/AGRAHAYANA 14, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

MINISTRY OF EDUCATION & YOUTH SERVICES

RESOLUTION

New Delhi, the 2nd December 1970

No. 16-87/70-S.III.—The Anthropological Survey of India was established in December 1945 as a specialized organisation for advanced research in anthropology, with the following objectives:

- (1) To study the tribes and other communities of India both from the biological and cultural point of view;
- (2) To study and preserve the human skeletal remains, both modern and archaeological;
- (3) To collect samples of arts and crafts of the tribes of India;
- (4) To function as a training centre for advanced students in anthropology; and
- (5) To publish the results of the researches.

The Survey has carried out considerable research work both in Cultural and Physical Anthropology on tribal groups like the Onge of Little Andaman, the Adi of NEFA and the tribes of Bastar. Important work has been done in anthropometric and serological studies on the people of India, on the reconstruction and measurement of prehistoric skeletal material and on the distribution of traits of material culture all over India. The Survey has also been advising the Government of India in matters relating to Anthropology.

2. Interest in Anthropology has considerably grown in the country since Independence. Several universities in India have established Departments of Anthropology, and tribal research institutes have been established in many States. It has, therefore, become necessary to review the role, functions and programmes of the Anthropological Survey of India, especially in its collaborative and clearing-house programmes, so as to promote concerted action to obtain the fullest possible knowledge of the people of India and to make this knowledge available for the use of administrators and researchers.

3. The Government of India have, therefore, decided to reorganise and strengthen the Anthropological Survey of India to enable it to discharge its expanded responsibilities effectively. The Survey will now have the following broad objectives:

- (i) To continue its original commitment of uninterrupted researches and surveys in social/cultural and physical anthropology throughout the country;
- (ii) To lay special emphasis on the applied aspects of anthropology which have contemporary relevance and national significance;
- (iii) To work in close collaboration with University Departments of Anthropology, tribal research institutes and other organisations interested in anthropology; and
- (iv) To function as a clearing-house, at the national level, for all agencies in the field of anthropology.

4. The broad programmes through which these objectives will be achieved are as under:

- (i) It is essential for the Survey to maintain close contracts with University Departments of Anthropology, Tribal Research Institutions, the Indian Council of Social Science Research and other organizations working in the field of Anthropology. From this point of view, there will be a programme of exchange of scientific personnel between the Survey and the University Departments and other Institutions working in the field of Anthropology. Persons from these Institutes will be taken by the Survey to work for a limited period on approved projects. Professional staff of the Survey, in return, will be deputed from time to time for specific periods to do project-cum-research work in the Universities and other Institutions working in the field of Anthropology. The Survey will also operate the programme of Senior and Junior Fellowships which will be ordinarily of the same value and carry the same terms and conditions, as similar Fellowships given by the University Grants Commission. The number of these Fellowships will be regulated in relation to the needs of the situation.
- (ii) The Survey will establish a clearing-house Unit in collaboration with the Indian Council of Social Science Research.
- (iii) The Publication Unit and the Regional Research Stations of the Survey will be suitably strengthened for carrying out the widened objectives of the Survey for better collaboration with University Departments. The Survey will publish an annual volume reviewing the progress made in the country in the field of Anthropology during the year.
- (iv) There will be an Advisory Committee on Anthropology. It will include representatives of the Government of India, the Indian Council of Social Science Research, University Departments of Anthropology and allied disciplines and other Research Institutes working in the field of Anthropology. The principal function of the Committee will be to advise the Government of India in relation to the plans and programmes of the Survey and on such other related matters as may be referred to it from time to time.

- (v) The Director of the Survey will be assisted in his professional work by two senior officers who would separately be responsible for cultural/ social and physical anthropology respectively. The Administrative set up of the Survey will be properly strengthened in the context of the increased responsibilities of the Survey.

ORDER

(1) Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India Extraordinary on the 5th December, 1970, for general information.

(2) Ordered also that a copy of the Resolution be communicated to:

- (i) The Director, Anthropological Survey of India, Calcutta.
- (ii) Ministry of Home Affairs, (Policy Research Unit), New Delhi.
- (iii) Ministry of Finance, SR(F) Branch, New Delhi.
- (iv) Planning Commission, (Research Division).
- (v) Registrar General of India.
- ((vi) Ministry of Law & Social Welfare (Department of Social Welfare).

S. CHAKRAVARTI, Secy.

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर, 1970

संकल्प

संख्या 16-87/70-एस० III:—मानव विज्ञान में उच्च स्तरीय अनुसंधान के लिए दिसम्बर, 1945 में विशिष्ट संगठन के रूप में निम्नलिखित उद्देश्यों से भारतीय मानव विज्ञान संरक्षण की स्थापना की गयी थी :—

- (1) जीव सम्बन्धी तथा सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भारत की जन-जातियों तथा अन्य समुदायों का अध्ययन करना;
- (2) प्राधुनिक तथा पुरातत्व दोनों प्रकार के मानव कंकाल के अवशेषों का संरक्षण तथा अध्ययन करना ;
- (3) भारत की जन-जातियों की कला तथा शिल्प के नमूनों को एकत्रित करना ;
- (4) मानव विज्ञान में उच्च स्तरीय विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण केन्द्रों के रूप में कार्य करना ;
- (5) अनुसन्धानों के परिणामों को प्रकाशित करना ।

लघु अंडमान के अंगो नेफा के आदिवासी तथा बस्तर के कबीले जैसे जन-जातियों के दलों पर सर्वेक्षण ने दोनों सांस्कृतिक तथा शारीरिक मानव-विज्ञान में काफी अनुसन्धान कार्य किया है भारत के व्यक्तियों पर मानवमितीय तथा सीरम-विज्ञानीय अध्ययन में, प्रागऐतिहासिक संक्षिप्त सामग्री के मापन तथा पुनर्गठन पर तथा समस्त भारत में भौतिक सन्स्कृति की विशेषताओं के प्रसारण में महत्वपूर्ण कार्य किया गया है । सर्वेक्षण मानव विज्ञान से सम्बन्धित विषयों पर भारत सरकार को सलाहभीदेता है ।

2. स्वतन्त्रता के बाद से, देश में मानव विज्ञान में पर्याप्त रुचि बढ़ी है। भारत में अनेक विश्वविद्यालयों में मानव विज्ञान विभाग स्थापित किए हैं और अनेक राज्यों में जनजातीय अनुसंधान-संस्थान स्थापित किए गए हैं। इसलिए भारत के मानव विज्ञान सर्वेक्षण की भूमिका। कार्यों और कार्यक्रमों को विशेषकर उसके गह्रयोगात्मक और वितरण-केन्द्र कार्यक्रमों का पुनरीक्षण करना आवश्यक हो गया है, ताकि भारत की जनता के बारे में यथासम्भव पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने में संगठित प्रयास किया जा सके और इस ज्ञान को प्रशासकों तथा अनुसंधान कर्त्ताओं को उपलब्ध किया जा सके।

3. इसलिए, भारत सरकार ने भारत के मानव-विज्ञान सर्वेक्षण को पुनर्गठित तथा सुदृढ़ करने का निर्णय किया है, ताकि यह अपनी बड़ी हुई जिम्मेदारियों को कारगर ढंग से पूरा कर सके। सर्वेक्षण के लिए अब निम्नलिखित मुख्य मुख्य उद्देश्य होंगे :—

- (1) देश भर में सामाजिक/सांस्कृतिक और शारीरिक मानव-विज्ञान, में निरन्तर अनुसंधान की अपनी मूल जिम्मेदारी निभाते रहना ;
- (2) मानव-विज्ञान के ऐसे प्रयुक्त पहलुओं पर विशेष गौर देना जिनका समसांमिक प्रसंगिकता और राष्ट्रीय महत्व हो;
- (3) विश्वविद्यालयों के मानव विज्ञान विभागों, जनजातीय अनुसन्धान संस्थानों और मानव-विज्ञान में रुचि रखने वाले अन्य संगठनों के निकट सहयोग से कार्य करना; और
- (4) मानव-विज्ञान के क्षेत्र के सभी अभिकरणों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वितरण-केन्द्र के रूप में कार्य करना।

4. निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से इन उद्देश्यों को प्राप्त किया जायगा ;

- (1) विश्वविद्यालय मानव-विज्ञान विभागों, जनजातीय अनुसंधान संस्थाओं, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और मानव-विज्ञान के क्षेत्र में कार्य कर रहे अन्य संगठनों के साथ निकट सम्पर्क रखना, सर्वेक्षण के लिए आवश्यक है। इस दृष्टिकोण से, सर्वेक्षण और विश्वविद्यालय विभाग तथा मानव-विज्ञान के क्षेत्र में कार्य कर रही दूसरी संस्थाओं के बीच वैज्ञानिक कामियों के विनिमय का एक कार्यक्रम होगा। स्वीकृत परियोजनाओं पर एक सीमित समय तक कार्य करने के लिए सर्वेक्षण द्वारा इन संस्थाओं से व्यक्ति लिए जायगे। इसके बदले में विश्वविद्यालयों तथा मानव विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं में परियोजना और अनुसंधान कार्य करने के लिए विशिष्ट अवधि के लिए सर्वेक्षण के व्यावसायिक कर्मचारियों को समय समय पर नियुक्त किया जायगा। सर्वेक्षण वरिष्ठ एवं कनिष्ठ छात्रवृत्ति का कार्यक्रम भी चलाएगा जो कि साधारणतया उसी मूल्य का होगा तथा उन्हीं शर्तों पर होगा, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा ऐसी ही छात्रवृत्तियों के लिए होती है। छात्रों की आवश्यकताओं को देखते हुए इन छात्रवृत्तियों की संख्या निर्धारित की जायगी।
- (2) भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से सर्वेक्षण एक निकासी गृह यूनिट की स्थापना करेगा।

- (3) विश्वविद्यालय के विभागों के साथ बेहतर सहयोग हेतु सर्वेक्षण के विस्तृत लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सर्वेक्षण के क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशनों तथा प्रकाशन एककों को उचित रूप से सुदृढ़ बनाया जायगा। सर्वेक्षण एक वार्षिक अंक निकालेगा, जिसमें वर्ष के दौरान मानव-विज्ञान के क्षेत्र में देश में हुई प्रगति की समीक्षा की जायगी।
- (4) मानव-विज्ञान पर एक सलाहकार समिति होगी। इसमें भारत सरकार के, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, विश्वविद्यालयों के मानव विज्ञान और संबंधित विषयों के विभाग, तथा मानव विज्ञान के क्षेत्र में कार्य कर रहे अन्य अनुसंधान संस्थानों के प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। समिति का प्रमुख कार्य सर्वेक्षण की योजनाओं और कार्यक्रमों तथा समय समय पर उससे पूछे गए अन्य संबंधित मामलों पर भारत सरकार को सलाह देना होगा।
- (5) सर्वेक्षण के निदेशक को उसके व्यावसायिक कार्य में दो बरि ठ अधिकारी सहायता देंगे, जो क्रमशः सांस्कृतिक/सामाजिक और शारीरिक मानव-विज्ञान के लिए भलग भलग से उत्तरदायी होंगे। सर्वेक्षण की बड़ी हुई जिम्मेदारियों को देखते हुए, सर्वेक्षण के प्रशासनिक ढांचे को उचित रूप से सुदृढ़ किया जायगा।

आदेश

- (1) आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण की सूचना के लिए भारत के असाधारण राजपत्र में 5 दिसम्बर, 1970 को प्रकाशित कर दिया जाए।
- (2) यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक-एक प्रति निम्नलिखितों को भेज दी जाए:—
 - (1) निदेशक,
भारत का मानव-विज्ञान सर्वेक्षण,
कलकत्ता।
 - (2) गृह मंत्रालय,
(नीति अनुसंधान एकक),
नई दिल्ली।
 - (3) वित्त मंत्रालय,
एस० आर० (एफ०) शाखा,
नई दिल्ली।
 - (4) आयोजना आयोग,
(अनुसंधान प्रभाग)
 - (5) भारत का महा रजिस्ट्रार
 - (6) विधि तथा समाज कल्याण विभाग,
(समाज कल्याण विभाग)।

एस० चक्रवर्ती, सचिव।

